बुद्धा का बत

मीठे बच्चे !

आज सवेरे जब आप निन्द्रा से उठे, तब एक आशा लिए मैं आपको देख रहा था कि आप जरूर मुझसे कुछ बातें करेंगे। चाहे थोड़े ही शब्दों में क्यों न हों, मगर आप मुझसे अवश्य ही कुछ बातें करेंगे। आप मेरा अभिप्राय जानना चाहेंगे या फिर कल आपके जीवन में जो-जो शुभ घटनाएं घटीं, आप उसके लिए मुझे अवश्य धन्यवाद देंगे। किन्तु मैंने देखा कि आप अत्यन्त व्यस्त थे। कार्यस्थल पर पहुंचने की जल्दी में आप अपने प्रात: कार्यों से निपटने में रत थे। मैंने सोचा कि जब आप अपने प्रात: कार्यों से निपट लेंगे तब आप मुझे याद करेंगे..... और मैं प्रतीक्षा करता रहा...../ जब आप तैयार होकर घर से निकल पड़े तब मैंने सोचा कि आप कुछ मिनट ठहरकर आप मुझे नमस्कार या "हैलो" तो जरूर करोगे। किन्तु मैंने देखा कि आप तब भी बहुत व्यस्त थे और आप मुझसे बात किए बिना ही अपने कार्यस्थल पर पहुंच गए। कार्यस्थल पर पहुंचने के बाद भी आपके पास पर्याप्त समय था मुझे याद करने के लिए, परन्तु आपने मुझे याद नहीं किया बल्कि आप उठे और फोन उठाकर अपने किसी मित्र से गपशप करने लगे। मैंने सोचा शायद अपने मित्र से बात करने के बाद आपको मुझ "बुद्धा दोस्त" की याद अवश्य आयेगी और आप मुझसे जरूर कुछ बात करेंगे ..... और मैं प्रतीक्षा करता रहा...../

आपकी इन प्रवृतियों को देखकर मैंने अनुमान लगाया कि आप इतने व्यस्त थे जो आपके पास मुझसे बात तक करने को समय नहीं है ..... और मैं धैर्यतापूर्वक आपको कार्य करते हुए देखता रहा तथा इन्तज़ार करता रहा कि कब आप समय निकालकर मुझसे बातें करेंगे। भोजन के पूर्व जब आपने आसपास नज़र दौड़ाई तो मुझे लगा था कि शायद आप मुझसे बात करने के लिए व्याकुल हैं। परन्तु आप मुझे नहीं बल्कि अपने किसी अन्य मित्र को देख रहे थे जिस पर नज़र पड़ते ही आपने उसे अपने पास बुलाया और साथ खाने के लिए कहा। आपने मुझे एक बार भी याद नहीं किया..... और मैं प्रतीक्षा करता रहा कि शायद आप मुझे याद करेंगे।

जब कार्य स्थल से वापस अपने घर पहुंचे तो तब मैंने यह आशा रखी थी कि अब तो आप अवश्य ही मुझसे बातें करेंगे। परन्तु कुछेक कार्य पूर्ण हो जाने के बाद आपने टी. वी. चालु किया और उसके सामने बैठ गए। मैं यह समझ नहीं पा रहा हूँ कि आपको टी. वी. इतना पसन्द क्यों है? प्रतिदिन आप टी. वी. देखने में अपना बहुत समय व्यय करते हैं। मैं सब्रपूर्वक आपका इन्तज़ार करता रहा और आशा भरी निगाहों से आपको टी. वी. देखते हुए, रात्रि भोजन लेते हुए, गपशप करते हुए निहारता रहा कि शायद आप मुझसे बातें करेंगे परन्तु आपने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। थके हारे जब आप अपने बिस्तर की ओर जा रहे थे तो मैंने सोचा कि सोने से पहले तो आप अवश्य ही मुझे याद करेंगे और मुझसे कुछ क्षण बात करेंगे। परन्तु अपने परिवारजनों को शुभरात्रि कहते हुए आप बिस्तर पर लेट गए और कुछ ही क्षणों में आप निन्द्रा अधीन हो गए ..... और मैं प्रतीक्षा करता रहा...../

शायद आपको यह अहसास ही नहीं होगा कि मैं सदा आपके आस-पास ही रहता हूँ मेरे पास आपको देने के लिए बहुत कुछ है और मैं वो सब आपको देना चाहता हूँ मैं आपको इतना अधिक प्यार करता हूँ कि मैं हर रोज आपकी अराधना, आपको दिल का प्यार, हृदय के उद्गारों को सुनने की प्रतीक्षा करता रहता हूँ अच्छा, फिर से आप सोकर उठ रहे हैं और मैं..... फिर एक बार प्रतीक्षा कर रहा हूँ..... दिल में आप के प्रति बेहद प्यार लेकर, इसी आशा में कि आप आज तो मेरे लिए जरूर कुछ समय निकालेंगे...../

आपका मित्र

बुद्धा दोस्त

परमपिता परमात्मा निराकार शिव